संस्थान द्वारा कनोरा गाँव, शिमला में वन महोत्सव का आयोजन

Institute Organized Van Mahotsav at Kanora Village, Shimla

भा.वा.अ.शि.प. - हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा 15 जुलाई, 2026 को होम गार्ड ट्रेनिंग सैंटर, एपीजी यूनिवर्सिटी, शिमला के नज़दीक कनोरा गाँव में पुजारली पंचायत की खाली शामलात भूमि में विभिन्न प्रजातियों के 60 पौधे लगाकर स्थानीय निवासियों के साथ मिलकर 77वें वन-महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ संस्थान की निदेशक महोदया डॉ. मनीषा थपलियाल द्वारा पौधा लगाकर किया गया । इसके अलावा डॉ. थपलियाल ने लोगों को संबोधित किया और कहा कि वृक्षारोपण को प्रोत्साहित करने, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनसामान्य में जागरूकता बढ़ाने तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण हेतु सामुदायिक सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिवर्ष राष्ट्रीय स्तर पर **'वन महोत्सव'** का आयोजन किया जाता है । यह अभियान हरित आवरण में वृद्धि, जैव विविधता के संरक्षण तथा भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है । डॉ. पवन कुमार, प्रभाग प्रमुख विस्तार ने ग्रामवासियों को लगाए गए पौधों की सुरक्षा व देखभाल का संकल्प दिलवाया । उन्होने ग्रामीणों को कहा कि शुरू के 2 वर्ष तक कम से कम स्वयं के लगाए पौधों कि देखभाल करें और गर्मियों में सूखे के दौरान कभी कभी सिंचाई भी करें । उन्होने कहा कि पौधरोपण क्षेत्र से वे नियमित रूप से चीड़ की पत्तियाँ व अन्य सूखे पत्ते गौशाला एवं खाद बनाने हेतु इकट्ठे करते रहें, इससे पौधरोपण का आग से भी बचाव होता रहेगा । इस अवसर पर संस्थान द्वारा तैयार किए गए विभिन्न प्रजातियों जैसे देवदार, वान, पाजा, ब्यूल, काफल आदि प्रजातियों के 60 पौधों का रोपण किया गया । इस अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, वनों के महत्व तथा जनसहभागिता के माध्यम से सतत् विकास के प्रति जागरूकता का संदेश भी दिया गया। श्री ओम प्रकाश, प्रधान, ग्राम पंचायत पुजारली ने स्थानीय ग्रामीणों को वन महोत्सव से जोड़ने तथा पंचायत की भूमि पर पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए निदेशक महोदया के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने भविष्य में भी इस प्रकार के पर्यावरण संरक्षण एवं जनभागीदारी आधारित कार्यक्रमों के सफल आयोजन हेतु ग्राम पंचायत की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों, पंचायत के प्रतिनिधि, महिला मण्डल के सदस्य एवं पुजारली पंचायत के स्थानीय निवासियों सहित 60 लोग शामिल हुए । कार्यक्रम के आयोजन में डॉ रंजना कुमारी नेगी, वैज्ञानिक-ई, शिल्पा, मुख्य तकनीकी अधिकारी, श्री राजेंदर पाल, श्री स्वराज सिंह एवं श्री कुलवंत राय गुलशन का अहम योगदान रहा ।

Shimla, 15 July 2026: ICFRE–Himalayan Forest Research Institute (HFRI), Shimla organized the 77th Van Mahotsav on 15th July 2026 in collaboration with the local residents of Pujarli Panchayat by planting 60 saplings of different indigenous tree species on the vacant Shamlat (common) land of the Panchayat at Kanora, near the Home Guard Training Centre and APG University, Shimla. The programme was inaugurated by Dr. Manisha Thapliyal, Director, HFRI Shimla, by planting a sapling. Addressing the gathering, Dr. Thapliyal stated that Van Mahotsav is celebrated every year at the national level to promote tree plantation, enhance public awareness about environmental conservation, and encourage community participation in the protection of natural resources. She emphasized that the campaign is an important step towards increasing green cover, conserving biodiversity, and creating a clean and healthy environment for future generations. Dr. Pawan Kumar, Head, Extension Division, administered a pledge to the villagers to protect and nurture the planted saplings. He urged them to take responsibility for caring for the saplings they had planted, especially during the first two years, and to provide occasional irrigation during dry periods in summer. He also advised the villagers to regularly collect pine needles and other dry leaves from the plantation site for use as cattle bedding and in compost preparation, as this practice would also help reduce the risk of forest fires in the plantation

area. Sh. Om Prakash, Pradhan, Gram Panchayat Pujarli, expressed his heartfelt gratitude to the Director for involving the local villagers in the Van Mahotsav and for organizing the plantation programme on the Panchayat's land. He further assured the Director of the Gram Panchayat's full support for the successful organization of similar programmes in the future aimed at environmental conservation and promoting community participation. On this occasion, the Institute planted 60 saplings of various tree species raised in its nurseries, including Deodar (*Cedrus deodara*), Ban Oak (*Quercus leucotrichophora*), Paja (*Prunus cerasoides*), Beul (*Grewia optiva*), and Kafal (*Myrica esculenta*). Along with the plantation drive, the programme also conveyed the message of environmental conservation, the importance of forests, and the role of public participation in achieving sustainable development. The plantation programme witnessed the participation of 60 people, including scientists, officers and staff members of the Institute, representatives of the Panchayat, members of the Mahila Mandal, and local residents of Pujarli Panchayat. The programme was successfully organized with the significant contributions of Dr. Ranjana Kumari Negi, Scientist- E; Ms. Shilpa, Chief Technical Officer; Mr. Rajender Pal; Mr. Swaraj Singh; and Mr. Kulwant Rai Gulshan.

77 वन महोत्सव

Media Coverage

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान ने मनाया 77वां वन महोत्सव

कनोर गांव में रोपे 60 विभिन्न प्रजातियों के पौधे

हिमाचल दस्तक ■ शिमला

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला द्वारा 15 जुलाई को होम गार्ड ट्रेनिंग सेंटर, एपीजी यूनिवर्सिटी, शिमला के नजदीक कनोरा शिमला में पुजारली पंचायत की खाली शामलात भूमि में विभिन्न प्रजातियों के 60 पौधे लगाकर स्थानीय निवासियों के साथ मिलकर 77वें वन-महोत्सव का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान की निदेशक डॉ. मनीषा थपलियाल द्वारा पौधा लगाकर किया गया।

■ ग्रामीणों पौधों की देखभाल का लिया संकल्प

इसके अलावा डॉ. थपलियाल ने लोगों को संबोधित किया और कहा कि पौधरोपण को प्रोत्साहित करने, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता में जागरूकता बढ़ाने तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए सामुदायिक सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिवर्ष राष्ट्रीय स्तर पर वन महोत्सव का आयोजन किया जाता है। यह अभियान हरित आवरण में वृद्धि, जैव विविधता के संरक्षण तथा भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। डॉ. पवन कुमार प्रभाग प्रमुख विस्तार ने ग्रामवासियों को लगाए गए पौधों की सुरक्षा व देखभाल का संकल्प दिलवाया। उन्होंने ग्रामीणों को कहा कि शुरू के 2 वर्ष तक कम से कम स्वयं के लगाए पौधों कि देखभाल करें और गर्मियों में सूखे के दौरान कभी कभी सिंचाई भी करें। उन्होंने कहा कि पौधरोपण क्षेत्र से वे नियमित रूप से चीड़ की पत्तियां व अन्य सूखे पत्ते गौशाला एवं खाद बनाने के लिए इकट्ठे करते रहें, इससे पौधरोपण का आग से भी बचाव होता रहेगा। इस अवसर पर संस्थान द्वारा तैयार किए गए विभिन्न प्रजातियों जैसे देवदार, बान, पाजा, ब्यूल, काफल आदि प्रजातियों के 60 पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर पौधरोपण कार्यक्रम के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, वनों के महत्व तथा जनसहभागिता के माध्यम से सतत विकास के प्रति जागरूकता का संदेश भी दिया।

हिमाचल दस्तक

नोरा में 77वें वन महोत्सव पर 60 पौधों का रोपण

शिमला। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने पुजारली पंचायत के कनोरा गांव में 77वें वन महोत्सव के तहत 60 पौधों का रोपण किया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान की निदेशक डॉ. मनीषा थपलियाल ने पौधारोपण कर किया। देवदार, ब्रान, पाजा, ब्यूल और काफल सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे पंचायत की शामलात भूमि पर स्थानीय ग्रामीणों की सहभागिता से लगाए गए। डॉ. थपलियाल ने कहा कि वन महोत्सव का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, हरित आवरण बढ़ाना और जनभागीदारी को प्रोत्साहित करना है। विस्तार प्रभाग प्रमुख डॉ. पवन कुमार ने पौधों की देखभाल और जंगलों को आग से बचाने के उपायों की जानकारी दी। कार्यक्रम में वैज्ञानिकों, पंचायत प्रतिनिधियों, महिला मंडल के सदस्यों और ग्रामीणों सहित करीब 60 लोगों ने भाग लिया।

दिव्य हिमाचल

पुजारली के कनोरा गांव में रोपे पौधे

शिमला। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान (एचएफआरआई) ने बुधवार को वन महोत्सव पर पुजारली पंचायत के कनोरा गांव की शामलात भूमि पर देवदार, वान, पाजा, व्यूल और काफल सहित विभिन्न प्रजातियों के 60 पौधे लगाए। कार्यक्रम में 60 लोगों ने भाग लिया। संस्थान की निदेशक डॉ. मनीषा थपलियाल ने पौधरोपण कर अभियान का शुभारंभ किया।

उन्होंने कहा कि वन महोत्सव का उद्‌देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में जनभागीदारी सुनिश्चित करना है। विस्तार प्रभाग के प्रमुख डॉ. पवन कुमार ने ग्रामीणों से लगाए गए पौधों की दो वर्ष तक देखभाल करने का आग्रह किया। संवाद

अमर उजाला

****